इस तरह की चीजें हर क्रिकेटर के साथ होती है, आप एक क्रिकेटर का नाम बताइये, जिसने शुरू से लेकर अंत तक लगातार कंस्टिटेंसी से रन बनाए है और इस तरह की चीजें आपके लिए अच्छी होती है। **- गौतम गम्भीर**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, के एल राहुल को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एश्टन एगर

बाएं हाथ के स्पिनर एश्टन एगर के मन में भारत के टेस्ट दौरे से बिना मैच खेले वापस भेजे जाने के बाद कोई 'बुरी भावना' नहीं है क्योंकि वह जानते हैं कि शीर्ष स्तर के क्रिकेट में स्थिति काफी 'निर्मम' होती हैं। एगर भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के सीनियर स्पिनरों में से एक के रूप में गए थे लेकिन पहले दो टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलने के बाद स्वदेश लौट आए। पहले दो टेस्ट में उन पर ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी और बाएं हाथ के मैथ्यू कुहनेमैन को तरजीह दी गई जिन दोनों को टेस्ट पर्दाण का मौका मिला।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एक मात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

शतकवीर उस्मान ख्वाजा के दम पर अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया मजबूत

ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट के नुकसान पर 255 रन बनाए

अहमदाबाद, 09 मार्च। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (104 नाबाद) के शानदार शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को चार विकेट के नुकसान पर 255 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।

सीरीज में दो अर्द्धशतक बना चुके ख्वाजा ने भारत में पहला टेस्ट शतक जड़ते हुए 251 गेंद पर 15 चौकों की बदौलत 104 रन बनाये। ख्वाजा पिछले 12 साल में भारत में टेस्ट शतक जड़ने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई वामहस्त बल्लेबाज हैं। इससे पहले मार्कस नॉर्थ ने 2010/11 दौरे पर बेंगलुरु टेस्ट में शतक जड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया के अन्य बल्लेबाज पिच पर पांव जमाने के बाद आउट होते गये, लेकिन कैमरन ग्रीन ने अंत में 64 गेंद पर आठ चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेल डाली। स्टंप्स तक ख्वाजा और ग्रीन के बीच पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी हो चुकी है और दोनों क्रीज़ पर मौजूद हैं।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बाकी तीन मैचों से बिलकुल अलग मिली। पिच ने पहले सत्र में स्पिन गेंदबाजों को अत्यधिक मदद नहीं दी। शुरुआती ओवरों में उमेश यादव की गेंद दो बार ट्राविस हेड के बल्ले को छूती हुई भी निकली लेकिन विकेटकीपर श्रीकर भरत उसे लपक नहीं सके।

हेड ने इन दो जीवनदानों का लाभ उठाते हुए आक्रामकता दिखाई और पहले विकेट के लिये ख्वाजा के साथ 15 ओवर में 61 रन की साझेदारी की। भारतीय स्पिनरों ने हालांकि अनुशासनात्मक गेंदबाजी जारी रखी और हेड 32 रन बनाकर रविचंद्रन अश्विन (57/1) का शिकार हो गये।

लंच से पहले मोहम्मद शमी (65/2) ने मार्नस लाबुशेन को आउट करके भारत की मैच में वापसी करवाई। लंच के बाद हालांकि ख्वाजा और कप्तान स्टीव स्मिथ की धैर्यवान बल्लेबाजी ने भारतीय गेंदबाजों को थकाने का काम किया। ख्वाजा ने पारी के 49वें ओवर में चौका लगाकर अपना अर्द्धशतक पूरा किया। भारतीय गेंदबाजों के अथक प्रयासों के बावजूद उन्हें कोई सफलता नहीं मिली और ख्वाजा-स्मिथ की जोड़ी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने चाय तक और कोई विकेट गंवाये बिना 149 रन बना लिये।

स्मिथ-ख्वाजा के बीच 79 रन की साझेदारी के बाद भारत को विकेट की सख्त जरूरत थी जो उसे रवींद्र जडेजा (49/1) ने दिलाया। जडेजा की एक गेंद उम्मीद से कम उछली और स्मिथ के बल्ले से छिटककर विकेटों में जा टकराई। स्मिथ 135 गेंद पर तीन चौकों के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए। स्मिथ के करियर में ऐसा पहली बार हुआ है कि वह छह पारियों में अर्द्धशतक ना बना सके हों।

स्मिथ का विकेट गिरने के कुछ देर बाद शमी ने पीटर हैंड्सकॉम्ब (17) को भी सस्ते में पवेलियन भेज दिया, हालांकि इसके बाद ग्रीन और ख्वाजा की जोड़ी विकेट पर जम गयी। ग्रीन ने समय-समय पर खराब गेंदों को निशाना बनाया, जबकि ख्वाजा धैर्य के साथ शतक की ओर बढ़ते रहे।

ख्वाजा ने दिन के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़कर अपना शतक पूरा किया। वह पिछले पांच साल में भारतीय सरजमीन पर पूरा दिन बल्लेबाजी करने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इससे पहले दिनेश चांदीमल ने 2017 में दिल्ली टेस्ट के तीसरे दिन 25 रन से पारी आगे बढ़ाते हुए नाबाद 147 रन बनाये थे। दिन का खेल खत्म होने तक ग्रीन ने भी ख्वाजा का बखूबी साथ दिया और वह अपने अर्द्धशतक से सिर्फ एक रन दूर हैं।

भारत में शतक जड़ना हमेशा खास होता है : ख्वाजा

अहमदाबाद, 09 मार्च। ऑस्ट्रेलिया के वामहस्त सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को 104 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद कहा कि वह हमेशा से भारत में शतक जड़ना चाहते थे और यह उनके लिये खास अनुभव है।

ख्वाजा ने मैच के बाद कहा, काफी सारी भावनाओं से भरा हुआ हूं। यह एक लंबा सफर रहा है। मैं इससे पहले दो बार भारत आ चुका हूं और आठ टेस्ट मैचों में मैदान पर ड्रिंक्स लेकर आया हूं। एक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के रूप में आप हमेशा भारत में शतक जड़ना चाहते हैं। यह बेहद खास है। ऑस्ट्रेलिया के लिये पारी की शुरुआत करने वाले ख्वाजा ने दिन का खेल खत्म होने तक 251 गेंद पर 15 चौकों के साथ 104 रन बना लिये। वह पिछले 12 साल में भारतीय सरजमीन पर टेस्ट शतक जड़ने वाले पहले वामहस्त ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं। उनसे पहले मार्कस नॉर्थ ने ऑस्ट्रेलिया के 2010/11 भारत दौरे पर बेंगलुरु टेस्ट में शतक जड़ा था। इसके अलावा ख्वाजा पिछले छह साल में भारत में मेज़बान टीम के खिलाफ पूरा दिन बल्लेबाजी करने वाले पहले बल्लेबाज भी हैं। ख्वाजा से पहले श्रीलंकाई बल्लेबाज दिनेश चांदीमल ने 2017 दिल्ली टेस्ट के तीसरे दिन 25 रन से शुरुआत करते हुए 147 रन की अविजित पारी खेली थी।

ख्वाजा ने अपनी पारी के बारे में कहा, (ट्राविस) हेड ने शुरुआत में आक्रामकता दिखाई। उन्हें दूसरे छोर से देखना बहुत अच्छा था। पिच बहुत अच्छी थी और मैं आसानी से अपना विकेट गंवाना नहीं चाहता था। यह मेरे लिये एक मानसिक जंग थी। आपको लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करना होता है।

ख्वाजा के शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट के नुकसान पर 249 रन बना लिये। भारत में अपना पहला टेस्ट शतक जड़ने वाले ख्वाजा और कैमरन ग्रीन (49 नाबाद) के बीच 85 रन की अविजित साझेदारी हो चुकी है।

मुंबई के आगे कैपिटल्स पस्त

मुंबई, 09 मार्च। वामहस्त स्पिनर साइका इशाक (13/3), इज़ी वॉन्ग (10/3) और हेली मैथ्यूज़ (19/3) की उत्कृष्ट गेंदबाजी के बाद यास्तिका भाटिया (41) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत मुंबई इंडियन्स ने बुधवार को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से मात दी।

मुंबई की गेंदबाजी के आगे लाचार नज़र आयी कैपिटल्स की पूरी टीम 105 रन पर सिमट गयी। मुंबई ने 106 रन का लक्ष्य 15 ओवर में हासिल करके टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

कप्तान मेग लैनिंग ने 41 गेंद पर पांच चौकों के साथ कैपिटल्स के लिये सर्वाधिक 43 रन बनाये, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स ने 18 गेंद पर तीन चौकों के साथ 25 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कैपिटल्स का कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सका और टीम 18 ओवर में ही ऑलआउट हो गयी।

डब्ल्यूपीएल के जरिये लोकप्रियता हासिल करने वाली साइका ने तीन ओवर में मात्र 13 रन देकर लैनिंग और रोड्रिग्स सहित तीन बल्लेबाजों को आउट किया। वॉन्ग ने चार ओवर में मात्र 10 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि मैथ्यूज़ ने चार ओवर में 19 रन देकर तीन सफलताएं हासिल कीं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए यास्तिका ने 32 गेंद पर आठ चौकों की मदद से 41 रन बनाकर कैपिटल्स को लगभग मैच से बाहर कर दिया। यास्तिका और मैथ्यूज़ (32) लक्ष्य तक पहुंचने से पहले आउट हो गयीं, जिसके बाद नैट सिवर ब्रंट (23 नाबाद) और हरमनप्रीत कौर (11 नाबाद) ने मुंबई को जीत तक पहुंचाया।

कैपिटल्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उनकी ओर से पिछले मैचों जैसा दमखम देखने को नहीं मिला। शुरुआती दो मैचों में 200 का आंकड़ा पार करने वाली कैपिटल्स मुंबई की गेंदबाजी के आगे संघर्ष करती नज़र आयी।

साइका ने पारी के दूसरे ओवर में शेफाली वर्मा (02) का विकेट लेकर अपना खाता खोला, जबकि पूजा वस्त्राकर ने चार ओवर बाद एलिस कैप्सी (06) को पवेलियन लौटाया। अगले ही ओवर में वॉन्ग की गेंद पर मारिज़ाने काप का विकेट गिरने से कैपिटल्स की बल्लेबाजी चरमरा गयी।

इसके बाद हालांकि लैनिंग-रोड्रिग्स की जोड़ी ने कुछ देर के लिये पारी को संभाला। रोड्रिग्स ने क्रीज़ पर आते ही नैट सिवर-ब्रंट को दो चौके जड़कर कैपिटल्स के ऊपर दबाव कम किया। लैनिंग ने 11वें ओवर में अमेलिया केर को तीन चौके जड़कर पारी की रफ्तार बढ़ाई। लैनिंग-रोड्रिग्स ने चौथे विकेट के लिये 50 रन की साझेदारी करके कैपिटल्स की पारी को संभाला ही था कि तभी साइका ने दोनों को पवेलियन लौटा दिया। साइका ने 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर रोड्रिग्स को बोल्ड किया, जबकि ओवर की आखिरी गेंद पर लैनिंग को हरमनप्रीत कौर के हाथों कैचआउट करवाया।

लैनिंग के रूप में कैपिटल्स का पांचवां विकेट 84 रन पर गिरा और इसके बाद टीम सिर्फ 21 रन ही जोड़ सकी। वॉन्ग ने तानिया भाटिया और राधा यादव को आउट करके अपना स्पेल पूरा किया, जबकि मैथ्यूज़ ने जेस जॉनसन, मिन्नू मनी और तारा नॉरिस को आउट करके कैपिटल्स की पारी समाप्त की।

कैपिटल्स को छोटे लक्ष्य की रक्षा करने के लिये पहले ओवर से ही रनों पर लगाम रखनी थी, हालांकि यास्तिका ने ऐसा नहीं होने दिया। यास्तिका की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत मुंबई ने पावरप्ल में बिना कोई विकेट गंवाये 47 रन जोड़ लिये। पावरप्ले के बाद हालांकि कैपिटल्स ने रनगति पर लगाम कसते हुए यास्तिका को पवेलियन भेजा। पारी की रफ्तार धीमी पड़ने पर मैथ्यूज़ भी 31 गेंद पर 32 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

दिल्ली ने भले ही मैच खत्म होने से पहले संघर्ष किया लेकिन छोटे लक्ष्य के सामने मुंबई के पास घबराने का कोई कारण नहीं था। सिवर-ब्रंट ने दबाव खत्म करने के लिये 13वें ओवर में दो चौके जड़े, जबकि हरमनप्रीत ने अगले ओवर में दो चौके जमाकर हाथ खोले।

तेज गेंदबाजों के लिए 'रोटेशन' महत्वपूर्ण : महाम्ब्रे

अहमदाबाद, 09 मार्च। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अभी तक स्पिनरों का दबदबा रहा है और ऐसे में भारत का तेज गेंदबाजों की अदला-बदली (रोटेशन) करने पर सवाल उठाए जा रहे हैं लेकिन गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे ने गुरुवार को कहा कि यह फैसला तेज गेंदबाजों को भविष्य में फायदा पहुंचाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन उस्मान ख्वाजा के नाबाद शतक की मदद से चार विकेट पर 255 रन बनाए हैं।

पहले दो टेस्ट मैचों में भारत की तरफ से मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज खेलें जबकि तीसरे टेस्ट मैच में शमी की जगह उमेश यादव को लिया गया था। शमी को उस मैच में विश्राम दिया गया था। चौथे टेस्ट मैच में सिराज की जगह शमी को शामिल किया गया। महाम्ब्रे से पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद पूछा गया कि क्या विश्राम देने से तेज गेंदबाजों की लय प्रभावित होती है, उन्होंने कहा,"आपको फैसला करना होता है क्योंकि आपको प्रत्येक गेंदबाज का व्यक्तिगत तौर पर कार्यभार भी देखना होता है।"

उन्होंने कहा," जिस तरह से हमने शमी को देखा हमें लगा कि उन्हें विश्राम दिए जाने की जरूरत है। इससे हमें सिराज या उमेश जैसे गेंदबाजों को मौका देने का भी अवसर मिला।"

महाम्ब्रे ने कहा," हमें इस श्रृंखला के बाद होने वाले मैचों पर भी गौर करना होगा। अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल है और हमें उस पर भी गौर करने की जरूरत है। ऐसे में आपको कभी-कभी गेंदबाजों को रोटेट करना पड़ता है और यह खिलाड़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।"

मेंडिस, करुणारत्ने के अर्द्धशतक, श्रीलंका 300 के पार

क्राइस्टचर्च, 09 मार्च। श्रीलंका ने गेंदबाजों के लिये मददगार परिस्थितियों में कुसल मेंडिस (87) की अगुवाई में बल्लेबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को छह विकेट गंवाकर 305 रन बना लिये। मेंडिस ने अपनी 87 रन की अर्द्धशतकीय पारी में मात्र 83 गेंद खेलकर 16 चौके लगाये। श्रीलंका ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए ओशाडा फर्नांडिस (13) का विकेट जल्दी गंवा दिया, लेकिन मेंडिस की प्रत्याक्रामक बल्लेबाजी उनके काम आयी। मेंडिस ने कप्तान डिमुथ करुणारत्ने के साथ दूसरे विकेट के लिये 137 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने ने मेंडिस का साथ निभाते हुए 87 गेंद पर 50 रन बनाये, जिसमें सात चौके शामिल रहे। मेंडिस और करुणारत्ने के एक साथ आउट होने के कारण न्यूजीलैंड की कुछ उम्मीदें जगीं, लेकिन अनुभवी बल्लेबाज एंजलो मैथ्यूज़ ने पारी को संभाल लिया।

इंडोनेशिया को रौंदकर भारत ने एशियाई कप की ओर बढ़ाया कदम

वियत ट्राई सिटी (वियतनाम), 09 मार्च। भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर में गुरुवार को इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर प्रतियोगिता में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वियत ट्राई स्टेडियम पर खेले गये एकतरफा ग्रुप-एफ मुकाबले में मेमोल रॉकी की टीम ने दोनों अर्द्धों में तीन-तीन गोल करके अपने वर्चस्व का बराबर विभाजन किया। नेहा (चौथा, 21वां मिनट) और सुमति कुमारी (74वां, 90 1वां मिनट) ने भारत के लिये दो-दो गोल किये, जबकि काजोल डिसूज़ा (45वां मिनट) और अपूर्णा नरजरी (56वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाया। पिछले मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंदने वाली भारतीय टीम छह अंकों के साथ ग्रुप तालिका में पहले स्थान पर है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पांच पहलवानों को एशियाई चैम्पियनशिप के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दी

नयी दिल्ली, 09 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरूवार को पांच पहलवानों को आगामी 2023 एशियाई चैम्पियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा शुक्रवार से कराये जाने वाले ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने छुट्टी के दिन की गई विशेष सुनवाई में कहा कि याचिकाकर्ता पहलवान अनुज कुमार, चंदर मोहन, विजय, अंकित और सचिन मोर को इसमें हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए और उनकी काबिलियत के आधार पर आंका जाए।

उच्च न्यायालय ने कहा कि ट्रायल में भागीदारी का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि अदालत ने पहलवानों की योग्यता के आधार पर कोई राय बनाई है और इस पर चयन समिति का फैसला अंतिम होगा।

न्यायमूर्ति ने कहा, "इस स्थिति और तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्रतिभाशाली पहलवान होने के नाते याचिकाकर्ताओं को बाहर नहीं किया जाना चाहिए कि ट्रायल्स में इनसे अधिक प्रतिभा वाले पहलवान होंगे, इस अदालत की राय है कि याचिकाकर्ता को कल और परसो इनके संबंधित वर्ग में होने वाले ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाए।" अदालत पांच पहलवानों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं और जिन्होंने नौ से 14 अप्रैल तक कजाखस्तान के अस्ताना में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिए डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित ट्रायल्स से बहार किये जाने की शिकायत की है।

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व उनके वकील राहुल राठौड़ कर रहे हैं, जिन्होंने दावा किया कि डब्ल्यूएफआई द्वारा अपनाया जाने वाला मानंदड पूरी तरह से अनुचित और मनमाना है जिससे ट्रायल्स में उन पहलवानों को शामिल किया गया जो या तो उनसे कमतर हैं या फिर उनके बराबर हैं।

अदालत के गलियारे में नहीं होने चाहिए खिलाड़ी: दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली, 09 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आगामी एशियाई खेलों के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने के मद्देनजर घुड़सवारों की चयन प्रक्रिया पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अदालत के गलियारे में नहीं बल्कि स्टेडियमों में होना चाहिए और जिनका उद्देश्य देश को गौरवान्वित करना है, उन्हें खेल महासंघों द्वारा मानसिक पीड़ा का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति गौरांग कांत ने तीन घुड़सवारों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि वह भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के प्रतिनिधियों में पेशेवर रवैये की दयनीय स्थिति से काफी दुखी थे और मौजूदा मामला ऐसा लगता है कि जिसमें एक संस्था अपनी पूरी ताकत कुछ व्यक्तिगत खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से बाहर करने के लिये इस्तेमाल कर रही है।

चिराग खंडाल, शशांक सिंह कटारिया और यश नेनसी की याचिका महासंघ द्वारा 19वें एशियाई खेलों के लिए चयन मानंदड में शुरू किये गये कुछ बदलावों से संबंधित है। इन एशियाई खेलों का आयोजन इस साल सितंबर-अक्टूबर में चीन के हांगजोऊ में किया जायेगा। अदालत ने सात मार्च को जारी किये गये अपने आदेश में कहा, "कोई भी (खिलाड़ी) जो अपने देश का गौरवान्वित करने का लक्ष्य रखता है, उसे महासंघ और इसके अधिकारियों द्वारा मानसिक पीड़ा का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए। पिछले 18वें एशियाई खेलों में भारत की पदक तालिका में निचले स्थान की स्थिति को देखते हुए हमारे सारे प्रयास अपने खिलाड़ियों को सहयोग भरा वातावरण मुहैया कराने के होने चाहिए ताकि उनका ध्यान सिर्फ अपने प्रदर्शन में सुधार करने और टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करने पर लगा रहे। '

बायर्न म्यूनिख ने पीएसजी को चैंपियन्स लीग से बाहर किया

म्यूनिख, 09 मार्च। बायर्न म्यूनिख ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को हराकर चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर किया जिससे लियोनल मेस्सी और काइलियान एमबाप्पे का पीएसजी के साथ यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ गया।

म्यूनिख ने बुधवार को पीएसजी को 2-0 से हराकर कुल 3-0 के स्कोर के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी के पूर्व खिलाड़ी किंगस्ले कोमैन ने प्री क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में म्यूनिख की ओर से गोल दागा था। दूसरे चरण में पीएसजी के एक अन्य पूर्व खिलाड़ी एरिक मैक्सिम चोपो मोटिंग और सर्गी गनाबरी ने गोल किए।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मनाया गया भारत-ऑस्ट्रेलिया की 75 साल की दोस्ती का जश्न

अहमदाबाद, 09 मार्च। भारत तथा ऑस्ट्रेलिया की दोस्ती के 75 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की उपस्थिति में गुरुवार को यहां नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर '75 इयर्स ऑफ़ फ्रेंडशिप थ्रू क्रिकेट' समारोह आयोजित किया गया।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के स्वागत के लिये स्टेडियम परिसर में विशाल होर्डिंग्स लगाये गये। 75 इयर्स ऑफ फ्रेंडशिप थ्रू क्रिकेट की इबारत वाले होर्डिंग्स पर दोनों देशों के पूर्व और वर्तमान क्रिकेट के दिग्गजों को भी दिखाया गया। होर्डिंग्स को न केवल गलियारों, अभ्यास क्षेत्र और अन्य पैदल मार्गों में रखा गया बल्कि पारंपरिक साइटस्क्रीन के पास भी एक प्रमुख स्थान मिला।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का अंतिम मैच विश्व के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम, नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार को प्रारंभ हुआ। टेस्ट मैच आरम्भ होने से पहले श्री मोदी तथा श्री अल्बनीज ने अपने-अपने देश की क्रिकेट टीम के कप्तानों को कैप देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे।

मोदी तथा अल्बनीस ने एक बग्गी में बैठकर पूरे स्टेडियम का चक्कर लगाया और वहां उपस्थित हजारों क्रिकेट प्रेमियों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों के हर्षघोष से स्टेडियम गूंज उठा। दोनों देशों के प्रधानमंत्री तथा स्टेडियम में उपस्थित सभी लोग भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान गायन में शामिल हुए। राष्ट्रगान के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने अपने-अपने देश की टीम के खिलाड़ियों के साथ हाथ मिला कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मोदी तथा अल्बनीस ने दोनों देशों के बीच 75 वर्ष की क्रिकेट मैत्री की झलक दर्शाने वाली गैलरी भी देखी। दोनों नेताओं ने स्टेडियम की प्रेसिडेंशियल गैलरी में बैठ कर मैच की शुरुआत के कुछ पलों का आनंद लिया। मैच शुरू होने से पहले ग्राउंड पर खिलाडियों ने परम्परागत गुजराती गरबा खेला।

इस अवसर पर गुजरात के मंत्री एवं राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार सहित उच्चाधिकारी, बीसीसीआई के सचिव जय शाह सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।